(Press Release- Invest UP (Infrastructure & Industrial Dev. Dept., U.P.)

इन्वेस्ट यूपी वैश्विक सहयोग को दे रहा मजबूती: सिंगापुर में भारतीय हाई-कमिश्नर के साथ उच्च-स्तरीय बैठक

रणनीतिक वार्ता के माध्यम से उत्तर प्रदेश पसंदीदा निवेश गंतव्य के रूप में उभर रहा है

सिंगापुर, 01 दिसम्बर, 2025: अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के साथ सहभागिता को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, इन्वेस्ट यूपी के सिंगापुर डेस्क ने सिंगापुर स्थित भारतीय उच्चायोग में भारत के माननीय उच्चायुक्त, डॉ. शिल्पक अंबुले के साथ उच्च-स्तरीय बैठक की। इस बैठक का उद्देश्य सहयोग को और सुदृढ़ करना तथा उत्तर प्रदेश, जो भारत के सर्वाधिक गतिशील और तीव्र गति से प्रगति करने वाले राज्यों में से एक है, में निवेश के नए अवसरों का अन्वेषण करना था।

इन्वेस्ट यूपी के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री शशांक चौधरी ने माननीय उच्चायुक्त को उत्तर प्रदेश के सुदृढ़ औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र, विश्व-स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर तथा वैश्विक निवेशकों को आकर्षित करने हेतु प्रगतिशील नीतिगत रूपरेखा की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने प्रमुख क्षेत्रों में निवेश अवसरों को रेखांकित किया, जिनमें इन्वेस्टर फैसिलिटेशन डेस्कों द्वारा समर्थित नीतियां जैसे प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) नीति तथा ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (GCC) नीति सम्मिलित रहीं जो विदेशी उद्यमों को संचालन स्थापित करने हेतु समग्र सहायता प्रदान करती हैं।

उत्तर प्रदेश, भारत के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय निवेश गंतव्य के रूप में विकसित हो चुका है। अत्याधुनिक एक्सप्रेसवे, एकीकृत औद्योगिक टाउनशिप, समर्पित फ्रेट कॉरिडोर और आधुनिक लॉजिस्टिक्स पार्क राज्य को मजबूत औद्योगिक आधार प्रदान करते हैं। साथ ही वायु, सड़क, रेल और अंतर्देशीय जलमार्गों के माध्यम से उत्कृष्ट कनेक्टिविटी प्रमुख बंदरगाहों और बाज़ारों तक निर्बाध पहुँच सुनिश्चित करता है। राज्य की निवेश-अनुकूल नीतियाँ, सिंगल-विंडो सिस्टम, भूमि की उपलब्धता, वित्तीय प्रोत्साहन तथा उद्योग सुविधा के प्रति सक्रिय दृष्टिकोण पर बल देती हैं।

बैठक के दौरान डॉ. अंबुले ने सिंगापुर की कंपनियों द्वारा भारत, विशेषतः उत्तर प्रदेश में निवेश के प्रति बढ़ती रुचि पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भारतीय उच्चायोग, सिंगापुर स्थित संभावित निवेशकों और इन्वेस्ट यूपी के मध्य एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य कर सकता है, जिससे द्विपक्षीय व्यवसायिक संबंध और सुदृढ़ होंगे तथा सिंगापुर-आधारित उद्यमों को उत्तर प्रदेश में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने में सहयोग मिलेगा।

बैठक में प्रमुख सिंगापुरियन कंपनियों के साथ पर्यटन, शहरी विकास, सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में सहयोग को और बढ़ाने की संभावनाओं पर भी विचार किया गया। माननीय उच्चायुक्त ने सिंगापुर के निवेशकों और उत्तर प्रदेश सरकार के बीच व्यापक संवाद को प्रोत्साहित करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

बैठक के समापन पर सांस्कृतिक सौहार्द एवं औपचारिक सौजन्य के प्रतीक के रूप में, श्री शशांक चौधरी ने माननीय उच्चायुक्त को ''वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ODOP)'' स्मृति-चिह्न भेंट किया, जो उत्तर प्रदेश की समृद्ध हस्तशिल्प परंपरा एवं विशिष्ट उत्पाद पहचान का प्रतिनिधित्व करता है।